समय : ३ घंटे **कुल अंक :१००**

सूचना :१. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं

प्रश्न १. हिंदी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण को रेखांकित कीजिए | २०

अथवा

साहित्य-इतिहास को स्पष्ट करते हुए इस सम्बन्ध में भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न २. आदिकालीन पृष्ठभूमि का साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा विस्तृत विवरण दीजिए | २०

अथवा

सिद्ध साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए|

प्रश्न ३. समन्वयवाद की दृष्टि से भक्तिकाल की पृष्ठभूमि का विवरण दीजिए| २०

अथवा

राम काव्य की प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न ४. रीतिकाल के प्रमुख कवियों पर प्रकाश डालें | २०

अथवा

रीतिसिद्ध काव्य-धारा की प्रमुख प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न ५.क. किन्ही दो विषयों पर टिप्पणीयां लिखिए | १०

१. डॉ. नगेन्द्र का काल विभाजन
२. सिद्ध साहित्य
३. सूफ़ी काव्य में रहस्यवाद
४. रीतिमुक्त काव्य धारा

०५

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए |

१. किस कवि को 'मैथिल कोकिल' कहा गया है?
२. चौरासी सिध्दों में सबसे ऊँचा स्थान किसका है?
३. तुलसीदास के गुरु का क्या नाम है?
४. रीतिकाल को रीतिकाल की संज्ञा किसने दी?
५. बिहारी किस काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं ? ०५

XSAGARDADMINYE00F72XSAGARDADMINYE00F72

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित विकल्प लिखिए |

१. आदिकाल को 'वीरकाल' नाम किसने दिया ?
अ)आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी आ)जार्ज ग्रियर्सन
इ)विश्वनाथप्रसाद मिश्र ई)महावीरप्रसाद द्विवेदी

२. नाथ पंथ के प्रवर्तक कौन हैं ?
अ)गोरखनाथ आ)मत्स्येन्द्रनाथ
इ)नागनाथ ई)आदिनाथ

३. आचार्य शुक्ल ने रीतिकाल का प्रवर्तक किसे माना है?
अ) आचार्य चिंतामणि आ) कवि ग्वाल
इ) केशव ई) कृपाराम

४. घनानंद को अमर करनेवाली रचना कौन-सी है ?
अ)रसराज आ)सुजानहित
इ)कविप्रिया ई)ललित ललाम

५. 'रामचंद्रिका' के रचयिता का नाम क्या है ?
अ)तुलसीदास आ) कबीरदास
इ)नाभादास ई)केशवदास

XSAGARDADMINYE00F72XSAGARDADMINYE00F72